Bal Bharati
PUBLIC SCHOOL
Sector – 21, Noida
Phone : 0120-2534064, 2538533 / E-mail : bbpsnd@yahoo.co.in
Website : http://bbpsnoida.balbharati.org

‘ नए विचारों की सोच का नाम रचनात्मकता है और नए-नए प्रयोग करना ही नवाचार है।‘

- थियोडोर लेविट

बाल भारती पब्लिक स्कूल, नौएडा ने 18 नवंबर 2017 को अपना 19वाँ वार्षिकोत्सव प्रधानाचार्या श्रीमती आशा प्रभाकर के मार्गदर्शन में बड़ी धूमधाम से मनाया। इस सुअवसर पर श्री अनिल स्वरूप, सचिव- शिक्षा तथा साक्षरता विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, माननीय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

उनके अतिरिक्त भारत के एडीशनल सॉलिसिटर जनरल श्री संजय जैन, पद्मश्री गीता चंद्रन और श्रीमती ताविषी बहल पांडे, विदेशी मामलों (म्यांमार) की अवर- सचिव ने विशिष्ट अतिथियों के रूप में आसन ग्रहण किया तथा विद्यालय की चाइल्ड एजुकेशन सोसाइटी के गणमान्य सदस्यों ने भी पधार कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। सभी सम्मानित आगंतुकों का हार्दिक स्वागत किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के ऑर्केस्ट्रा द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम ‘सिंफनी ‘से किया गया। विभिन्न वाद्य यंत्रों द्वारा प्रसारित भारतीय लोकगीतों पर आधारित सुर-लहरी ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम की गरिमा तथा महिमा को आगे बढ़ाते हुए दीप-प्रज्ज्वलन किया गया।भगवान शिव के विभिन्न नृत्य-रूपों को प्रदर्शित करते हुए ‘अक्षयगुणा अलैगरी ‘- इनवोकेशन नृत्य ने दर्शकों को अपने जादुई प्रभाव से चमत्कृत कर दिया। उभरते नर्तक-नर्तकियों की चपलता ने सभी का मन मोह लिया।

विद्यालय के गायक-गायिकाओं ने मनमोहक ध्वनि में एकता के महत्त्व को प्रसारित करते हुए सुर, लय तथा ताल के अनूठे संयोजन द्वारा ‘लाइफ डैस्पाइट गॉड ‘ की प्रस्तुति के माध्यम से दुनिया को आशा व शांति के निवास-स्थान में स्थानांतरित करने के लिए प्रेरित किया।

‘अथक प्रयास’-दृढ़ संकल्प के लिए एक कठपुतली की याचिका पूर्व-प्राथमिक विभाग की प्रस्तुति थी जिसके माध्यम से दृढ़ता, मुक्ति और आत्मनिर्भरता को आवाज़ देने के लिए कठपुतली नृत्य के द्वारा आत्माओं की मुक्ति को संप्रेषित किया गया। नन्हे-नन्हे बाल-कलाकारों ने कठपुतली के रूप में नाच-थिरक कर दर्शक का मन मोह लिया।

प्रधानाचार्या श्रीमती आशा प्रभाकर ने संपूर्ण सत्र में विभिन्न क्षेत्रों में विद्यालय द्वारा अर्जित उपलब्धियों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया।

पारितोषिक वितरण समारोह के अंतर्गत छात्रों को शैक्षिक तथा पाठ्येतर गतिविधियों के लिए उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु सम्मानित किया गया।

विद्यालय के उच्चतर माध्यमिक विभाग ने महान कृति ‘मुगल-ए-आज़म ‘को पुनर्जीवित करते हुए संगीतमय प्रस्तुति द्वारा अनारकली और शहज़ादे सलीम के प्रेम को भव्यता के साथ प्रस्तुत किया जिसे दर्शकगण लंबे समय तक विस्मृत नहीं कर सकेंगे। छात्रों के अभिनय तथा नृत्य कौशल की सभी ने भूरि-भूरि प्रशंसा की।

कार्यक्रम का समापन धन्यवाद-ज्ञापन से किया गया जिसे विद्यालय कीउपप्रधानाचार्या श्रीमती अनुपमा मोटवानी ने प्रस्तुत किया।

अंत में, सार-रूप में कहा जा सकता है कि अपने 18वाँ वार्षिकोत्सव पर विद्यालय ने अपनी क्षमता को प्रमाणित करके उत्कृष्टता के शिखर को छू लिया। यह ऐसा स्थान है जहाँ छात्रों की प्रतिभा को निखारा-सँवारा जाता है, कल्पनाओं को रंग दिए जाते हैं तथा अवसर रूपी पंख प्रदान किए जाते हैं ताकि वे जीवन में ऊँची उड़ान भर सकें।

अगले वर्ष इसी प्रकार गरिमापूर्ण तथा भव्य कार्यक्रम के साथ यह यात्रा जारी रहेगी।

अतिथि देवो भव

वाह! नन्हे कलाकार

बादशाह अकबर की भव्य सवारी

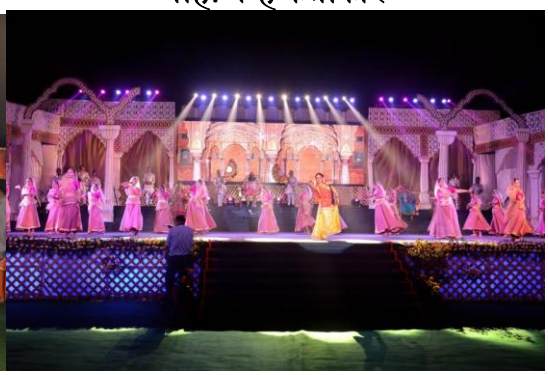

अभिनय तथा नृत्य का अनूठा संगम

द्वारा- उमेश कुमारी